AXIS INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH (AIJMR)
Peer review journal As per UGC 2025 Standard Guidelines

बलरामपुर जिले के शासकीय एवं अशासकीय ग्रामीण विद्यालयों के विद्यार्थियों की वाणिज्य विषय के प्रति रुचि एवं जिज्ञासा का तुलनात्मक अध्ययन

[1]निशा गुप्ता, [2] डॉ. तनुजा चंद्राकर (सहायक प्राध्यापक)

[1] शोधार्थी, [2] शोध-निर्देशक
[1-2] शिक्षा विभाग, शोधार्थी भारती विश्वविद्यालय, दुर्ग (छ. ग.)

सारांश

प्रस्तुत शोध-पत्र में बलरामपुर जिले के ग्रामीण शासकीय एवं अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 11वीं के वाणिज्य संकाय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की वाणिज्य विषय के प्रति रुचि एवं जिज्ञासा की तुलना की गई। वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि के अंतर्गत कुल 800 विद्यार्थियों का चयन किया गया, जिनमें 400 शासकीय तथा 400 अशासकीय विद्यालयों से थे। वाणिज्य विषय की रुचि के लिए अर्थशास्त्र, लेखाशास्त्र एवं व्यवसाय अध्ययन के प्राप्तांकों के औसत को रुचि-सूचकांक के रूप में ग्रहण किया गया तथा जिज्ञासा के मापन के लिए डॉ. राजीव कुमार की जिज्ञासा मापनी प्रयुक्त की गई। स्वतंत्र समूह t-परीक्षण से रुचि के लिए t-मूल्य 6.87 तथा जिज्ञासा के लिए 5.66 प्राप्त हुआ। दोनों मूल्य 0.05 स्तर के सारणीमान 1.96 से अधिक पाए गए। परिणामतः शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की रुचि तथा जिज्ञासा में सार्थक अंतर पाया गया और दोनों शून्य परिकल्पनाएँ अस्वीकृत हुईं।

प्रमुख-शब्द: शासकीय विद्यालय, अशासकीय विद्यालय, ग्रामीण विद्यार्थी, वाणिज्य शिक्षा, रुचि, जिज्ञासा।

लेख का इतिहास

प्राप्त: 27 अप्रैल 2026, स्वीकार किया गया: 20 मई 2026, प्रकाशित: 25 जून 2026

प्रशस्ति पत्र

गुप्ता. एन., चंद्राकर, टी., (2026)। बलरामपुर जिले के शासकीय एवं अशासकीय ग्रामीण विद्यालयों के विद्यार्थियों की वाणिज्य विषय के प्रति रुचि एवं जिज्ञासा का तुलनात्मक अध्ययन। **एक्सिस इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च (एआईजेएमआर),** 2(2), 27-31.

DOI:

प्रस्तावना

विद्यालय का शैक्षिक वातावरण विद्यार्थियों की विषयगत रुचि, अध्ययन-अभिप्रेरणा और जिज्ञासा के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विद्यालय में उपलब्ध विषय-विशेषज्ञ शिक्षक, पुस्तकालय, तकनीकी संसाधन, प्रयोगात्मक गतिविधियाँ, मूल्यांकन पद्धति और करियर मार्गदर्शन विद्यार्थियों के सीखने के अनुभव को प्रभावित करते हैं।

This is an Open Access article that uses a funding model which does not charge readers or their institutions for access and distributed under the terms of the Creative Commons Attribution License (http://creativecommons.org/licenses/by/4.0) and the Budapest Open Access Initiative(http://www.budapestopenaccessinitiative.org/read), which permit unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, providedoriginal work is properly credited.

वाणिज्य शिक्षा में केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है। विद्यार्थियों को आर्थिक घटनाओं, बैंकिंग व्यवहार, व्यावसायिक संगठन, उपभोक्ता व्यवहार, लेखांकन प्रक्रिया और उद्यमिता से जोड़ना आवश्यक है। मिश्रित एवं विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षण से उच्चतर माध्यमिक वाणिज्य विद्यार्थियों की अधिगम-अभिवृत्ति में सुधार पाया गया है।

ग्रामीण शासकीय और अशासकीय विद्यालयों की शैक्षिक परिस्थितियों में अंतर हो सकता है। अशासकीय विद्यालयों में नियमित मूल्यांकन, डिजिटल संसाधन या शिक्षकों की उपलब्धता अधिक हो सकती है, जबकि शासकीय विद्यालयों में व्यापक सामाजिक प्रतिनिधित्व, प्रशिक्षित शिक्षक और सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त होता है। इसलिए किसी एक प्रकार के विद्यालय को स्वाभाविक रूप से श्रेष्ठ मानने के स्थान पर विद्यार्थियों की वास्तविक रुचि एवं जिज्ञासा का सांख्यिकीय परीक्षण आवश्यक है।

संबंधित शोध अध्ययनों की समीक्षा

सच्चितानंदम, एम. एवं राजू, जी. (2019) ने 850 उच्चतर माध्यमिक वाणिज्य विद्यार्थियों पर किए गए अध्ययन में विद्यालय के प्रकार एवं विद्यालय की प्रकृति के आधार पर वाणिज्य उपलब्धि में सार्थक अंतर पाया। शोध से स्पष्ट हुआ कि संस्थागत परिस्थितियाँ वाणिज्य अधिगम को प्रभावित कर सकती हैं।

बेमर, पी.एन., रोसेनबर्ग, जे.एम. एवं श्मिट, जे.ए. (2020) ने 244 उच्च विद्यालयीन विद्यार्थियों के अध्ययन में पाया कि विद्यार्थियों को अधिगम संबंधी विकल्प प्रदान करने तथा विषय में तात्कालिक रुचि उत्पन्न करने से सहभागिता, सकारात्मक भाव और सीखने में वृद्धि होती है।

श्मिट, एच.जी. एवं रोटगन्स, जे.आई. (2021) ने माध्यमिक विद्यालय के 158 विद्यार्थियों तथा दूसरे प्रयोग में 148 विद्यार्थियों पर ज्ञानात्मक जिज्ञासा और परिस्थितिजन्य रुचि का अध्ययन किया। ज्ञान-अंतर उत्पन्न होने पर रुचि और जिज्ञासा दोनों में वृद्धि पाई गई, जिससे स्पष्ट हुआ कि समस्या-आधारित परिस्थितियाँ विद्यार्थियों को नवीन ज्ञान खोजने के लिए प्रेरित करती हैं।

सुप्रभा, के. एवं सुब्रमोनियन, जी. (2021) ने कक्षा 12वीं के वाणिज्य विद्यार्थियों पर मिश्रित शिक्षण का प्रयोग किया। प्रयोगात्मक समूह के विद्यार्थियों की शिक्षण-अभिवृत्ति में नियंत्रण समूह की अपेक्षा अधिक सुधार हुआ, विशेष रूप से अनुदेशनात्मक व्यवहार के आयाम पर सार्थक अंतर प्राप्त हुआ।

हॉफ्ट, एल. एवं बर्नहोल्ट, एस. (2021) ने माध्यमिक विद्यार्थियों के दो समूहों—580 एवं 473 विद्यार्थियों—का अनुवर्ती अध्ययन किया। विषय-विशिष्ट एवं गतिविधि-विशिष्ट रुचि तथा उपलब्धि के मध्य स्थायी संबंध पाया गया, विशेषकर उन गतिविधियों में जिनमें संज्ञानात्मक सक्रियता एवं ज्ञान-संप्रेषण सम्मिलित था।

फेराको, टी. एवं सहयोगी (2023) ने कक्षा 5वीं से 12वीं तक के 603 विद्यार्थियों पर जिज्ञासा, अभिप्रेरणा, स्व-नियंत्रित अधिगम एवं उपलब्धि का एकीकृत अध्ययन किया। जिज्ञासा सहित कोमल कौशलों का अभिप्रेरणा और स्व-नियंत्रित अधिगम से सकारात्मक संबंध पाया गया, जो अप्रत्यक्ष रूप से शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करता है।

अध्ययन के उद्देश्य

1. शासकीय एवं अशासकीय ग्रामीण विद्यालयों के विद्यार्थियों की वाणिज्य विषय के प्रति रुचि की तुलना करना।
2. शासकीय एवं अशासकीय ग्रामीण विद्यालयों के विद्यार्थियों की जिज्ञासा की तुलना करना।
3. दोनों प्रकार के विद्यालयों में वाणिज्य शिक्षण की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु सुझाव देना।

शून्य परिकल्पनाएँ

- **$H_0$1:** शासकीय एवं अशासकीय ग्रामीण विद्यालयों के विद्यार्थियों की वाणिज्य विषय के प्रति रुचि में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
- **$H_0$2:** शासकीय एवं अशासकीय ग्रामीण विद्यालयों के विद्यार्थियों की जिज्ञासा में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

शोध विधि

अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि अपनाई गई।

This is an Open Access article that uses a funding model which does not charge readers or their institutions for access and distributed under the terms of the Creative Commons Attribution License (http://creativecommons.org/licenses/by/4.0) and the Budapest Open Access Initiative(http://www.budapestopenaccessinitiative.org/read), which permit unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, providedoriginal work is properly credited.

न्यादर्श

विद्यालय का प्रकार	विद्यार्थियों की संख्या
शासकीय विद्यालय	400
अशासकीय विद्यालय	400
कुल	**800**

चर

- **स्वतंत्र चर:** विद्यालय का प्रकार—शासकीय एवं अशासकीय।
- **आश्रित चर:** वाणिज्य विषय के प्रति रुचि एवं जिज्ञासा।

प्रयुक्त उपकरण

1. अर्थशास्त्र, लेखाशास्त्र एवं व्यवसाय अध्ययन के प्राप्तांकों पर आधारित वाणिज्य विषय रुचि-सूचकांक।
2. डॉ. राजीव कुमार द्वारा निर्मित जिज्ञासा मापनी।
3. सामान्य सूचना प्रपत्र।

आँकड़ों का विश्लेषण

तालिका 1

शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की वाणिज्य विषय के प्रति रुचि की तुलना

विद्यालय का प्रकार	N	माध्य	मानक विचलन	माध्यांतर	t-मूल्य	निष्कर्ष
शासकीय	400	69.10	8.90	4.14	6.87	सार्थक
अशासकीय	400	73.24	8.12			

t-मूल्य की गणना

$$t = \frac{73.24 - 69.10}{\sqrt{\frac{8.90^2}{400} + \frac{8.12^2}{400}}}$$

$$t = \frac{4.14}{0.602} = 6.87$$

व्याख्या

प्राप्त t-मूल्य **6.87** है, जो 0.05 सार्थकता स्तर के सारणीमान 1.96 से अधिक है। इसलिए शून्य परिकल्पना $H_0 1$ अस्वीकृत की जाती है। अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों का रुचि-माध्य 73.24 तथा शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों का माध्य 69.10 है। इससे ज्ञात होता है कि दोनों समूहों की वाणिज्य विषय के प्रति रुचि में सार्थक अंतर है।

This is an Open Access article that uses a funding model which does not charge readers or their institutions for access and distributed under the terms of the Creative Commons Attribution License (http://creativecommons.org/licenses/by/4.0) and the Budapest Open Access Initiative(http://www.budapestopenaccessinitiative.org/read), which permit unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, providedoriginal work is properly credited.

तालिका 2

शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की जिज्ञासा की तुलना

विद्यालय का प्रकार	N	माध्य	मानक विचलन	माध्यांतर	t-मूल्य	निष्कर्ष
शासकीय	400	68.25	9.10	3.55	5.66	सार्थक
अशासकीय	400	71.80	8.65			

$$t = \frac{71.80 - 68.25}{\sqrt{\frac{9.10^2}{400} + \frac{8.65^2}{400}}} = \frac{3.55}{0.628} = 5.66$$

व्याख्या

प्राप्त t-मूल्य **5.66** है, जो 0.05 स्तर के सारणीमान 1.96 से अधिक है। अतः शून्य परिकल्पना $H_0 2$ अस्वीकृत की जाती है। अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों का जिज्ञासा-माध्य शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों से अधिक पाया गया। यह अंतर विद्यालयीय संसाधनों, नियमित शैक्षिक गतिविधियों, अभिभावकीय अपेक्षाओं, मूल्यांकन व्यवस्था और विषयगत मार्गदर्शन से संबद्ध हो सकता है; इन कारणों की पुष्टि के लिए पृथक अध्ययन आवश्यक होगा।

प्रमुख निष्कर्ष

1. शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की वाणिज्य विषय के प्रति रुचि में सार्थक अंतर पाया गया।
2. अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों का रुचि-माध्य अधिक पाया गया।
3. दोनों प्रकार के विद्यालयों के विद्यार्थियों की जिज्ञासा में सार्थक अंतर पाया गया।
4. अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों का जिज्ञासा-माध्य अधिक रहा।
5. विद्यालय का प्रकार विद्यार्थियों की रुचि एवं जिज्ञासा से संबंधित विभेदकारी चर सिद्ध हुआ।
6. दोनों शून्य परिकल्पनाएँ 0.05 स्तर पर अस्वीकृत हुईं।

सुझाव

1. शासकीय ग्रामीण विद्यालयों में वाणिज्य विषय के विशेषज्ञ शिक्षकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।
2. लेखाशास्त्र, अर्थशास्त्र एवं व्यवसाय अध्ययन के लिए डिजिटल एवं दृश्य-श्रव्य शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई जाए।
3. विद्यार्थियों को बैंक, बाजार, सहकारी संस्था एवं स्थानीय व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का शैक्षिक भ्रमण कराया जाए।
4. विद्यालयों में वाणिज्य क्लब, उद्यमिता क्लब और प्रश्नोत्तरी गतिविधियाँ आयोजित की जाएँ।
5. शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के शिक्षकों के मध्य शैक्षिक संसाधनों तथा श्रेष्ठ शिक्षण-अभ्यासों का आदान-प्रदान किया जाए।
6. ग्रामीण विद्यार्थियों को चार्टर्ड अकाउंटेंसी, कंपनी सेक्रेटरी, बैंकिंग, बीमा, प्रबंधन एवं उद्यमिता से संबंधित करियर जानकारी प्रदान की जाए।

निष्कर्ष

अध्ययन में शासकीय एवं अशासकीय ग्रामीण विद्यालयों के विद्यार्थियों की वाणिज्य विषय के प्रति रुचि तथा जिज्ञासा में सार्थक अंतर प्राप्त हुआ। अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के माध्य अपेक्षाकृत अधिक पाए गए। तथापि इस परिणाम को विद्यालय की श्रेष्ठता का अंतिम प्रमाण नहीं माना जाना चाहिए, क्योंकि विद्यार्थियों की रुचि और जिज्ञासा पर पारिवारिक वातावरण, सामाजिक-आर्थिक स्थिति, शिक्षक व्यवहार, संसाधन,

This is an Open Access article that uses a funding model which does not charge readers or their institutions for access and distributed under the terms of the Creative Commons Attribution License (http://creativecommons.org/licenses/by/4.0) and the Budapest Open Access Initiative(http://www.budapestopenaccessinitiative.org/read), which permit unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, providedoriginal work is properly credited.

उपस्थिति और भविष्य की आकांक्षाओं जैसे अनेक कारकों का संयुक्त प्रभाव पड़ सकता है। शासकीय विद्यालयों में गतिविधि-आधारित, तकनीक-सहायित और स्थानीय जीवन से संबद्ध वाणिज्य शिक्षण विकसित करके इस अंतर को कम किया जा सकता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

अशोक राज, ई., एवं जोआकिम, ए. (2022). Relationship between learning styles and achievement in commerce of higher secondary students. Journal of Emerging Technologies and Innovative Research, 9(7).

बेमर, पी. एन., रोसेनबर्ग, जे. एम., एवं श्मिट, जे. ए. (2020). Does choice matter or is it all about interest? An investigation using an experience sampling approach in high school science classrooms. Learning and Individual Differences, 78, 101812.

फेराको, टी., रेसनाटी, डी., फ्रेगोनीज़, डी., स्पोटो, ए., एवं मेनेघेट्टी, सी. (2023). An integrated model of school students' academic achievement and life satisfaction. European Journal of Psychology of Education, 38, 109–130.

हॉफ्ट, एल., एवं बर्नहोल्ट, एस. (2021). Domain-specific and activity-related interests of secondary school students: Longitudinal trajectories and their relations to achievement. Learning and Individual Differences, 92, 102089.

सच्चितानंदम, एम., एवं राजू, जी. (2019). A study on achievement in commerce of higher secondary students. Shanlax International Journal of Education, 8(1), 1–6.

श्मिट, एच. जी., एवं रोटगन्स, जे. आई. (2021). Epistemic curiosity and situational interest: Distant cousins or identical twins? Educational Psychology Review, 33, 325–352.

सुप्रभा, के., एवं सुब्रमोनियन, जी. (2021). Higher secondary commerce students' engagement and attitude towards blended learning environment. Journal of Psychological Research, 3(2).

टैंग, एक्स., एवं साल्मेला-एरो, के. (2021). The prospective role of epistemic curiosity in national standardized test performance. Learning and Individual Differences, 88, 102008.

यादव, एस. के., एवं रानी, एम. (2017). Career stream choice among science, commerce and humanities students. International Journal on Arts, Management and Humanities, 6(1), 58–66.

This is an Open Access article that uses a funding model which does not charge readers or their institutions for access and distributed under the terms of the Creative Commons Attribution License (http://creativecommons.org/licenses/by/4.0) and the Budapest Open Access Initiative(http://www.budapestopenaccessinitiative.org/read), which permit unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, providedoriginal work is properly credited.